तापमान
अधिकतम 16.0 डिग्री
न्यूनतम 5.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

10 लोगों को विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलाई

10 सुपर-100 में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

खबर संक्षेप

अवैध असलहे के साथ युवक गिरफ्तार

जींद। सीआईए स्टाफ सफीदों ने खानसर चौक के निकट एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। शहर थाना सफीदों पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि खानसर चौक के निकट एक युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है। जो कहीं जाने की फिराक में है।

कार की चपेट में आने से महिला घायल

गुहला-चीका। गांव बदसूई में घर से बाहर उपले बनाती एक महिला मुकेश रानी के ऊपर एक व्यक्ति ने कार चढ़ा दी। घायल महिला के परिजनों ने बताया कि कार चालक लापरवाही से कार चला रहा था, जिसके चलते अचानक उसने कार का नियंत्रण खो दिया और कार बेकाबू होकर उपले बना रही मुकेश रानी के ऊपर जा चढ़ी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

मकान का ताला तोड़कर 40 हजार की नकदी चोरी

जींद। आत्मा नगर में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर 40 हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। उचाना थाना पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्मा नगर निवासी धीरज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर 40 हजार की नगदी चुरा ली।

महिला से छेड़छाड़ के आरोप में मामला दर्ज

कैथल। शहर पुलिस कैथल के सेक्टर 21 में एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 5 जनवरी को जब वह सेक्टर 21 से गुजर रही थी तो बाइक पर सवार ने छेड़छाड़ की। जब उसे द्वारा उसका विरोध किया गया तो आरोपी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गया।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, अपहरण का केस

जींद। गांव राजपुरा भैण से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सदर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जाच कर रही है। गांव राजपुरा भैण निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो दिन पहले उसकी 16 वर्षीय बेटी संदिग्ध हालात में गायब हो गई थी।

महिला का बैग छीन अज्ञात युवक फरार

कैथल। कस्बा पूंडरी के वालिया चौक के निकट से अज्ञात युवक एक महिला का बैग चुराकर फरार हो गया। बैग में करीब 14000 बताए जाते हैं। इस संबंध में फरल गांव की धर्मपति ने पूंडरी पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 5 जनवरी को वह पूंडरी के एसबीआई बैंक से पैसे निकाल कर बाजार जा रही थी। जैसे ही कैथल करनाल रोड पर पहुंची तो लड़का बैग छीन कर फरार हो गया।

वार्षिक पुरस्कार के लिए आवेदन 20 तक करें

कैथल। उत्तर प्रदेश शासन की योजना के अन्तर्गत राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए उत्तर प्रदेश के राज्यकर्मियों को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली प्रदेश की भाषाओं / बोलियों में मौलिक एवं दीर्घकालीन साहित्यिक सेवा के लिए पुरस्कार के लिए 20 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

6000 ईटों सहित अन्य सामान चुराया

कैथल। सदर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया है। मॉडल टाउन के सुशील ने आरोप लगाया है कि 5 जनवरी को विशाल पार्वती भट्ठा बाबा लदाना से 6000 ईटें चुरा कर ले गया। मामले के जांच अधिकारी एएसआई विक्रम ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उचाना बस स्टैंड के पास भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में सम्मान समारोह में बोले पूर्व वित्त मंत्री

पीएम मोदी ने किसान निधि की शुरूआत कर बढ़ाया किसानों का सम्मानः कैप्टन अभिमन्यु

कांग्रेस नेता लोगों को बहकाने के काम में जुटे, सामाजिक संस्थाओं, वृद्धों व गणमान्य लोगों को किया सम्मानित

जींद। सम्मान समारोह में गणमान्यों के साथ पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। सम्मान समारोह को संबोधित करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उचाना बस स्टैंड के पास भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यअतिथि के तौर पर भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने शिरकत की। यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, गणमान्य लोगों एवं बुजुर्गों को कार्यक्रम में पूर्व वित्त मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। मंच संचालन रामचंद्र अत्री ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओमप्रकाश थुआ, ओमप्रकाश नैन, डा. रामचंद्र जांगड़ा मौजूद रहे।

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भाजपा सत्ता में आने से पहले सिफारिशों, रुपये के बूते पर रोजगार मिलते थे। जब से भाजपा सत्ता में आई है तब से पर्ची, खर्ची को बंद करने का काम किया है। आज पढ़े लिखे होनहार युवाओं को रोजगार मिल रहा है। गरीब का बेटा भी पढ़-लिख कर एचसीएस के पद तक पहुंच रहे है। अंत्योदय योजना शुरू कर अंतिम पंक्ति तक सुविधा पहुंचाना है। घर-घर शौचालय बनवाने के साथ-साथ केंद्र सरकार ने धुआं मुक्त रसोई के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर, चूल्हे पात्र परिवारों को दिए जा रहे है।

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम ने लोकसभा चुनाव की तस्वीर साफ कर दी है। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर राजनीति करती रही लेकिन किसानों के हितों के लिए किसी ने काम किया है तो वो पीएम नरेंद्र मोदी ने किया है। हर साल छह हजार रुपये किसान निधि शुरू की जो आज बढ़ कर 12 हजार रुपये प्रति वर्ष हो गई है। इस बार लोकसभा चुनाव में 2019 से अधिक सीटें लेकर भाजपा सत्तासीन होगी। पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बनेंगे। आज दूसरे देश भारत की तरफ देखते हैं, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को सशक्त, समक्ष बनाया है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि परिवारवाद की राजनीति को भाजपा ने खत्म करने का काम किया है। आम परिवार का बेटा देश के पीएम, सीएम के पद तक पहुंच सकता है। भाजपा वो पार्टी है जहां कार्यकर्ता बड़े से बड़े पद तक जा सकता है। हमारे क्षेत्र के लोग बहकावे में जल्दी आते है। लोगों को ये बात समझनी होगी कि उन्हें सिर्फ चुनाव के समय याद किया जाता है। हमें किसी के बहाकवे में नहीं आना है बल्कि जो अपने है उन्हें मजबूत करना है। भाजपा सरकार ने इस धारणा को बदलते हुए सीएम मनोहर लाल की अगुवाई वाली सरकार में बिना भेदभाव के विकास, रोजगार देने का काम किया है।

समारोह में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। समाजसेवी संस्थाओं व वृद्धों के साथ पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष पर बरसे कैप्टन

कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी शैलजा द्वारा भाजपा राज को धरनों की सरकार बताए जाने पर पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग भूल जाते हैं कि उनके समय में गेस्ट टीचर पर किस तरह से लाठीचार्ज किया था। एक गेस्ट टीचर की मौत हुई थी। किसान की फसल के नुकसान पर दो-दो रुपये के चेक दिए जाते थे। आज किसान के लिए किसान सम्मान निधि शुरू की है, खिलाड़ियों को पहले से ज्यादा पुरस्कार दिए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता आज लोगों को बहकाने का काम कर रहे हैं। यूपीए के दस साल के शासनकाल में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू नहीं किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ओमप्रकाश थुआ, ओमप्रकाश नैन, रामचंद्र अत्री, सुनील नैन डा. रामचंद्र जांगड़ा, कुलदीप काकड़ोद, सतबीर कसूहन, नरेंद्र खापड़, स'जन भौंगरा, श्रवण मांडी, बलवान शर्मा कापड़ो, श्रीकांत कसूहन, वीरेंद्र दुर्जनपुर, गोल्डी डूमरखां, साधुराम गुरूकुल खेड़ा, अमित काकड़ोद, रिषिराम डूमरखां, जिले सिंह राणा, रामदिया पांचाल, नरेश सौंगरी, बलबीर चहल मौजूद रहे।

जींद। आयोजित सम्मान समारोह में मौजूद गणमान्य लोग।

जींद। समारोह लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

इंडिया गठबंधन घमंडियाः पूर्व वित्त मंत्री इंडिया गठबंधन पर बोलते पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि इस गठबंधन को घमंडिया गठबंधन कहा जाता है। गठबंधन के नेता आज तक ये रूपरेखा तैयार नहीं कर पाए हैं कि कौन इनका नेतृत्व करेगा। हर प्रदेश में इनके आपस में फूट के सुर आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल के अंदर टीएमएसी का कांग्रेस के साथ झगड़ा हो रहा है। पंजाब में आप, कांग्रेस में लड़ाई झगड़ा हो रहा है। हरियाणा के अंदर ये मालूम नहीं हो रहा है कोई है के नहीं है। इंडिया गठबंधन का एक मात्र एजेंडा है कि पीएम नरेंद्र मोदी को पीएम बनने से रोका जाए। यह परिवारवाद की राजनीति को बढ़ाने का संगठन है। जिसको देश की विचारधाराओं से कुछ लेना देना नही है। फिर से पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार पहले से 'यादा बहुमत सरकार बने, इसको लेकर तैयारी पूरी है।

आज भारत का विश्व में बज रहा डंका : कैप्टन

- भगवान परशुराम धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत में बोले पूर्व वित्त मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि वर्ष 2024 शुरू हो गया है और यह चुनावी साल है। आप सब को यह सोचना है कि देश की संसद में फिर से आपका कौन प्रतिनिधित्व करेगा, कौन देश की सरकार चलाएगा। ऐसे में पहले से भी अधिक मजबूती से हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करना है। आज भारतवर्ष की 140 करोड़ जनता को आाजदी के 70 साल बाद यह अहसास हो रहा है कि सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका नेतृत्व कर रहे हैं। अमेरीका, जर्मनी, रूस और फ्रांस जैसे देश भी शांति और सद्भावना के लिए प्रधानमंत्री को बोल रहे हैं। इससे बड़ा सम्मान भारत देश के लिए क्या हो सकता है।

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु शनिवार को उचाना के बस स्टैंड के निकट भगवान परशुराम धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में किसान के नाम पर तो राजनीति की गई लेकिन किसी ने किसानों का दर्द नही समझा और न ही किसान को सम्मान देने की बात सोची। प्रधानमंत्री ने इस दर्द को समझा और किसानों को सहायता के तौर पर प्रतिवर्ष दो बार छह-छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं। वहीं चौधरी देवीलाल ने कभी 100 रुपये की पेंशन की शुरुआत की थी, आज वह पेंशन 3000 तक पहुंच गई है। आने वाले समय में यह बढ़ेगी और कभी घटेगी नही। सरकार ने शोषित, पिछड़े सहित हर वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया है।

पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि

आज भाजपा सरकार में सबसे अधिक फसलों के दाम किसानों को मिल रहे हैं। आज एक सम्मान बढ़ाने का जो काम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, वो लगातार बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र भाई मोदी गरीबी का जीवन देख कर के उठे और अपना सर्वस्व समर्पित करते हुए देश की जनता के दिलों में ही अपनी जगह बनाई। जिसका असर यह हुआ कि दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय नेता आज भारत का नेतृत्व कर रहा है।

मिट्टी ठेकेदारों ने दी हड़ताल की चेतावनी

- माइनिंग विभाग के नए नियमों के विरुद्ध आज जींद में होगी रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

ट्रक ड्राइवर और पटवारीयों के बाद अब मिट्टी का कार्य करने वाले ठेकेदार और मजदूर भी हड़ताल करने जा रहे हैं, जिसमे मिट्टी का कार्य करने वाले ठेकेदार व मजदूरों के हितों के लिए आज जींद के एकलव्य स्टेडियम में राज्य स्तरीय जान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर जिले के ट्रांसपोर्ट नगर में मिट्टी का कार्य करने वाले ठेकेदार व मजदूरों की मीटिंग हुई, जिसमे राज्य स्तरीय सभी पदाधिकारी और जिले के विभिन्न कस्बों से दर्जनों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। अध्यक्षता करते जिले सिंह प्रजापत ने बताया की जेसीबी व ट्रैक्टर ट्राली से जो लोग मिट्टी का कार्य कर रहे हैं। सरकार ने उनका रोजगार छीनने के लिए एनजीटी के नियमों में बदलाव किया है, जिसमे मिट्टी का कार्य करने के लिए अब उन्हें माइनिंग विभाग से एनओसी लेनी अनिवार्य कर दी है, जिससे हजारों मजदूरों को रोजी रोटी के लाले पड़ गए है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी किए गए इन आदेशों का वह पुरजोर विरोध करते हैं क्योंकि आज के समय में जिले के हजारों परिवार मिट्टी का कार्य करके अपने परिवार की रोजी रोटी का गुजारा कर रहे है।

रैली को लेकर ठेकेदार व मजदूरों को संबोधित करते यूनियन के पदाधिकारी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

जींद। पिंडारा ओवरब्रिज के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। तेजपाल ढाबे पर कार्य करता था। सिविल लाइन थाना पुलिस मामले की जांच कर रहा है। एंबूलेंस चालक गांव लखमीरवाला निवासी पुरूषोत्तम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गोहाना रोड ओवरब्रिज से रोहतक रोड की तरफ एक व्यक्ति अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घायल हालात में पड़ा हुआ है। जिसे उठा कर नागरिक अस्पताल लाया। जहां पर व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान मरोडा चमौली निवासी निवासी तेजपाल के रूप मे हुई। मृतक जींद में ढाबे पर कार्य करता था। सिविल लाइन थाना पुलिस ने एंबुलेंस चालक पुरूषोत्तम की शिकायत पर फरार अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटिया निर्माण सामग्री लगाने का आरोप

- नगर निवासियों ने नारेबाजी कर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन में निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बिजली बोर्ड से खंड कार्यालय और शहनाई पैलेस से खंड कार्यालय तक नाले का निर्माण करवाया जा रहा है। नाला निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किए जाने की शिकायत को लेकर नगर निवासियों ने विरोध जताया। नगर निवासी शिशपाल, सुभाष, रोशन, नरेन्द्र, रमेश, गुरमीज, सुरेन्द्र सिंह, सूरत सिंह, जयपाल, बहादुर, कप्तान, बिट्टू, शंटी, काका, पंकज, महावीर व अन्य ने बताया कि इस नाले का निर्माण इसलिए करवाया जा रहा है क्योंकि सड़क के दोनों ओर की बस्ती का पानी सड़क पर आता है और इस कारण से सड़क खराब होती है।

इसके साथ ही निकासी न होने के कारण बस्ती के लोगों को भी भारी परेशानी हो रही है। लेकिन नाला निर्माण में ठेकेदार ने घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह नाला निर्माण के कुछ ही समय में खत्म हो जाएगा और फिर से वही हाल होगा। सीवन निवासियों का कहना है कि नाले के निर्माण के लिए जो तय नियम हैं उसके अनुसार कार्य नहीं हो रहा है और इस कारण से नाला जल्दी ही टूट जाएगा।

घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाते नगर निवासी।

हिट एंड रन बिल पास होने से चालक वर्ग हो जाएगा बर्बाद

ऑल ड्राइवर कल्याण संघ ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के आह्वान पर शनिवार को लघु सचिवालय जींद पर हिट एंड रन संशोधन बिल के विरोध में धरना दिया गया। धरने में संघ के जिला प्रधान नरेंद्र बुआना, सचिव अरुण कुमार, भागल सिंह, सीटू जिला सचिव कपूर सिंह, रिटायर्ड कर्मचारी संघ आजाद पांचाल, सुभाष आदि शामिल हुए। धरने को संबोधित करते हुए नरेंद्र बुआना ने बताया कि 26 दिसंबर को लोकसभा में हिट एंड रन संशोधन बिल पास किया गया। इसके लागू होने से देश और प्रदेश भर का चालक वर्ग बर्बाद हो जाएगा। इसके विरोध में चालकों की एक जनवरी से हड़ताल चल रही है। जिसकी मुख्य मांग हिट एंड रन संशोधन बिल को तुरंत रद्द की मांग है। कपूर सिंह, आजाद पांचाल ने बताया कि इस बिल में प्रावधान है कि अगर कहीं पर कोई दुर्घटना हो जाती है तो बड़े वाहन चालक को घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना होगा। अगर वह ऐसा नहीं करता तो 10 साल की सजा व सात लाख रुपये का जुर्माना होगा।

जींद। धरने पर बैठे चालक। फोटो :हरिभूमि

नियमितीकरण किया जाए

व्यवसाय चालकों की हर तीन साल बाद ली जाने वाली नवीनीकरण की प्रक्रिया 5 साल निर्धारित की जाए। राष्ट्रभर में यदि आप व्यवसाय चालक आदि व दुर्घटना में पूर्वकालिक अपंग हो जाता है, तो उसके भरण पोषण के लिए सरकार द्वारा 10 लाख का मुआवजा प्रदान किया जाए। ठेका, आउटसोर्सिंग में कार्य कर रहे व्यवसायक चालकों को समान वेतन के तहत नियमितीकरण किया जाए। व्यवसाय चालकों के लिए भी 60 वर्ष के ऊपर प्रति माह न्यूनतम वेतन 10 हजार पेंशन निर्धारित की जाए। चालक को 20 लाख रुपये मेचौरिटी बीमा दिया जाए। चालक को 10 लाख का एक्सीडेंट मेडिकल बीमा दिया जाए। ओला, उबर जैसी एप बेस कंपनियों को सरकारी कानून के अधीन ही संचालन करें। चालक को सम्मान मिले और सबकी कॉमन पॉलिसी बने। डीजल और पेट्रोल को जीएसटी के साथ जोड़ा जाए।

राजौंद। विद्यार्थियों के साथ पुलिस अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पढ़ाया पाठ

राजौंद। जिला ट्रैफिक पुलिस द्वारा शनिवार को थाना प्रबंधक यातायात सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा विषय के संबंध में राजौंद, गांव भाणा, सिसला सिसमौर के स्कूल में एनएसएस कैंप दौरान छात्र व छात्राओं को ट्रैफिक रूल की पालना करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान ट्रैफिक प्रबंधक सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार तथा रोड़ सेफ्टी सेल पुलिस टीम द्वारा बच्चो को जानकारी दी गई कि ऑवर स्पीड में वाहन चलाना तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करना सडक दुर्घटना का कारण बन जाते है, जिसके बारे में चालकों को सजग रहना चाहिए। सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों की समुचित पालना करनी चाहिए। कार व हल्के वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह देते हुए अपनी लेन में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया। सडक दुघर्टनाओं में गिरावट दर्ज करने के लिए पुलिस द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार के नशे की हालत में कभी वाहन न चलाए। सभी छात्रों को समझाया गया कि 18 वर्ष के होने से पहले हमें व्हीकल नही चलाना चाहिए। 18 वर्ष के होने उपरांत ड्राइविंग लाइसेंस जरूर बनवाए। एसएचओ ने कहा कि लोगों को चालान से बचने के लिए नहीं अपितु अपने अमूल्य जान-माल की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों की पालना करने बारे जागरूक किया गया।

खबर संक्षेप

अन्न वितरण समारोह चौदह जनवरी को

जींद। असमर्थ महिला कल्याण ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष राहुल शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट मकर संक्रांति के पावन पर्व पर 14 जनवरी को नरवाना रोड पर अन्न वितरण समारोह का आयोजन करेगा। प्रधान रामनिवास अहीरका ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर एडीसी डा. हरीश वशिष्ठ व नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश शिरकत करेंगे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

जींद। युवती को शादी का झांसा देकर बंधक बना दुष्कर्म करने पर महिला थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म करने, बंधक बनाने सहयोग करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत जीरो एफआईआर दर्ज कर कैथल पुलिस को भेजी है। सिविल लाइन थाना इलाके की युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 13 दिसंबर को गांव गुलाडी पंजाब निवासी मंजीत उसे शादी का झांसा देकर साथ गांव जमालपुर सुरजाखेड़ा ले गया।

प्रदर्शन में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान

जींद। नौ जनवरी को प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर जींद में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का जत्था रूपगढ़, मांडोखेड़ी, निर्जन, लोहचब आदि गांवों में पहुंचा और जनसभाएं की। जनसभाओं को कपूर सिंह, संदीप जाजवान, पवन कुमार, रणधीर सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नौ जनवरी को जींद में होने वाले विशाल प्रदर्शन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स 29 फरवरी तक जमा करवाएं

जींद। स्थानीय कर सलाहाकार एवं पूर्व नगर पार्षद जिले सिंह जागलान ने प्रदेश सरकार के उस फैसले की सराहना की है जिसमें जायदाद मालिकों को प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने की अंतिम तिथि 29 फरवरी तक बढा दी है। क्योंकि नगर परिषदों का प्रॉपर्टी टैक्स की भारी रकम जायदाद मालिकों की तरफ बकाया है। इससे जायदाद मालिकों को प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने के लिए कुछ समय और मिल जाएगा।

संदिग्ध हालात में महिला लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव मोहलखेड़ा से महिला के गायब होने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ बंधक बनाने का मामला दर्ज किया है। गांव मोहलखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 25 वर्षीय पत्नी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी पत्नी का कोई सुराग नहीं लगा।

लोगों के मनों में बस चुके दुष्यंत : गंगादत्त

उचाना। जजपा बीसी प्रकोष्ठ उचाना हलकाध्यक्ष गंगादत्त पांचाल ने कहा कि प्रदेश के लोगों के मनों में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला बस चुके है। जजपा ने गठबंधन सरकार में जनता से किए गए वायदों को निभाने का काम किया है। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला जो कहते है वो करते है। कथनी करनी में कोई अंतर नहीं है। पांचाल समाज से जो वायदा किया उसे समय से पहले पूरा करने का काम किया।

प्रभु को समर्पण में देर मत करोः साध्वी लब्धि

उचाना। एसबीआई बैंक के पास सतपाल गोयल के निवास स्थान पर विराजमान साध्वी लब्धि प्रभा ठाणे-3 ने कहा कि जो भी तुम्हारे पास है वो सब प्रभु का दिया हुआ है। इसलिए प्रभु को समर्पण में देर मत करो। यह मत भूलो कि एक दिन सब छोड़कर जाना है। तुम मर गए तो क्या होगा।

इग्नू में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम लागू

जींद। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी डा. धर्मपाल ने बताया कि इग्नू द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को लॉच कर दिया है। पहले फेज में नए वर्ष में 19 प्रोग्राम को लॉच किया है। विवि के अकेडमिक कौंसिल से स्वीकृति मिल चुकी है। इग्नू मुख्यालय की और से प्लानिंग एंड डिवलप्मेंट डिवीजन के द्वारा नए वर्ष में इसकी आधिकारिक सुचना जारी कर दी गई है।

एसडी महिला महाविद्यालय में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

लोगों को विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलाई

समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाने के लिए वरदान साबित होगी विकसित भारत संकल्प यात्रा : बलदेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

स्टालों का अवलोकन करते बलदेव वाल्मीकि।

महिलाओं को गैस कनेक्शन वितरीत करते हुए।

भाजपा कार्यकारिणी सदस्य बलदेव वाल्मीकि ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाकर ही विकसित भारत की नींव को मजबूत किया जाएगा। इसलिए समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाने में विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद वरदान साबित होगी। इस यात्रा से केन्द्र और रा'य सरकार की योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्ति लाभ उठाकर आगे बढ़ सकेंगे। बलदेव वाल्मीकि शनिवार को नरवाना शहर के एसडी महिला महाविद्यालय में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा.जनसंवाद कार्यक्त्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में प्रतिनिधि चेयरमैन नगर परिषद लक्ष्मण मिर्धा व भाजपा नेता वीरेंद्र नैन ने विशिष्ट अतिथि शिरकत की। डॉ सोनिया ने बताया कि आयुष विभाग के स्टालों पर भी जनमानस को निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की तरफ से भेजी गई एलईडी वैन जिला के हर गांव व वार्ड में पहुंचेगी जिससे नागरिकों को योजनाओं की जानकारी मिलेगी और उनकी समस्याओं का समाधान भी हो सकेगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शहरवासियों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ भी दिलवाई। इस मौके पर जिला कल्याण अधीक्षक आजाद सिंह, खाद्यान्न एवं आपूर्ति विभाग चन्द्रभान मोर, प्रमोद शर्मा, डॉ कपिल, स्टेज सचांलक राजेश टाकं सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी और शहरवासी मौजूद रहे।

योजनाओं का लाभ लें

बलदेव बाल्मिकी ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने में समाज के अंतिम व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाने के लिए योजनाओं का 100 फीसदी लाभ लोगों तक पहुंचा रही है। उन्होंने विभिन्न विभागों की तरफ से लगाए गए स्टॉलों की जानकारी भी हासिल की है। इस दौरान दर्जनों लोगों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों से योजनाओं की जानकारी हासिल की और योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को भी लाभ देने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा.जनसंवाद एक मील का पत्थर साबित होगी।

जींद। क्रिकेट टूर्नामेंट में विधायक रामनिवास ने किए 51 हजार रुपए भेंट।

ब्राह्मण धर्मशाला में विधायक ने सैतींस लाख रुपये का निजी कोष से किया दान

नरवाना। हलका विधायक रामनिवास सुरजखेड़ा द्वारा नरवाना के अलग-अलग गांव में कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इसी क्रम में शनिवार को गांव भाणा ब्राहमणा में परशुराम कमेटी द्वारा विधायक रामनिवास का कमेटी प्रधान शिव कुमार ने स्वागत किया। विधायक ने परशुराम धर्मशाला के निर्माण के लिए 06 लाख रुपये की धनराशि निजी कोष से नगद भेंट की। इससे पहले विधायक रामनिवास द्वारा धर्मशाला निर्माण के लिए 31 लाख रुपये की धनराशि निजी कोष से नगद दी गई थी। उसके बाद विधायक रामनिवास ने गांव गुरूसर में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में पहुंचकर 51 हजार रुपये नगद निजी कोष से दादाखेड़ा क्रिकेट समिति को भेंट किया। इस दौरान सरपंच मनोज शर्मा, सुरजीत शर्मा, नाथू शर्मा, ज्ञान शर्मा, सियाराम, रविन्द्र, पवन मलिक, मंदीप दनौदा, मनोज, राजबीर कोच, विकास गुरूसर एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय दिव्यांग पहचान कैंप 18 जनवरी से प्रारंभ : रवि हुड्डा

जींद। जिला रैडक्रॉस सोसायटी के प्रधान एवं डीसी मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से अल्मिकों कंपनी द्वारा व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग व अन्य सहायक उपकरण निशुल्क वितरित करने के लिए पांच दिवसीय पहचान कैंपों का आयोजन ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा। रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव रवि हुड्डा ने बताया कि जिला में अल्मिको मोहाली द्वारा विशाल पांच दिवसीय निशुल्क दिव्यांग पहचान कैंप विभिन्न ब्लॉको में आयोजित किया जा रहा है। 18 जनवरी को नरवाना के नवदीप स्टेडियम, 19 को सफीदों के एसडीएम कार्यालय, 20 को अलेवा के तहसील कार्यालय, 21 को जुलाना के तहसील कार्यालय, 22 को रैडक्रास भवन में कैंप का आयोजन होगा। रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव रवि हुड्डा ने बताया कि इन कैंपों में दिव्यांगों को अपने साथ अपंगता दर्शाते हुए एक फोटो, आधार की फोटो प्रति, अपंग प्रमाण पत्र कम से कम 40 प्रतिशत, फैमिली आईडी, यूडीआईडी कार्ड साथ लेकर आना है ताकि अल्मिकों कंपनी द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले सहायक उपकरणो का फार्म पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि जो दिव्यांगजन यह सुविधा अल्मिकों मोहाली से पिछले तीन वषार्ें में ले चुके हैं, उनको यह लाभ नहीं मिलेगा।

सोनू का खेलो इंडिया टीम में चयन

- नरवाना पहुंचने पर सैन समाज ने किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

खेलो इंडिया आईस हॉकी टीम में चयन होने पर फुल मालाएं पहनाकर सम्मनित करते।

योगा में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर अनूठी छाप छोड़ने वाले नरवाना के सोनू सैन का अब आईस हॉकी खेलो इंडिया टीम में चयन हुआ है। टीम में चयन होने के बाद जब सोनू सैन व कोच बिंटू शुक्रवार देर शाम जब नरवाना रेलवे स्टेशन पर पहुंचा तो सैन समाज नरवाना और शहर के गणमान्य लोगों द्वारा नोटों और फूलों को माला पहनाकर स्वागत किया । सैन धर्मशाला नरवाना के प्रधान व हरियाणा कोर कमेटी सदस्य डॉ अमित सैन ने बताया कि सोनू सैन अपने कोच बिन्टू सागु के नेतृत्व में अपने नाम कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज कर चुका है। सैन समाज के साथ-साथ समस्त पिछड़ा वर्ग को सोनू पर गर्व और गौरव का अनुभव करता है आने वाले समय में सोनू और उनके कोच बिन्टू को पिछड़ा वर्ग व सैन समाज के कार्यक्रम में विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा ताकि समाज के लोग इन बच्चों की उपलब्धियां को जान सके और समाज के युवा वर्ग के बच्चे इन युवाओं को देखकर खेल के माध्यम से राष्ट्र का नाम रोशन करने का काम करें और नशे की लत से दूर हो सकें। इस तरह के युवा खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। इसके साथ-साथ इस तरह के युवा खिलाड़ी गांव-गांव में अनेक नर्सरी स्थापित कर युवाओं को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ा सकते हैं।

तकनीक के युग में नैतिक मूल्यों को ना भूलें : रविंद्र

जींद। मोतीलाल नेहरु पब्लिक स्कूल के प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि प्रौद्योगिकी के युग में मार्गदर्शन सिद्धांतों के रुप में नैतिक मूल्यों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे हम नवाचार को अपनाते हैं दूसरों के प्रति सहानुभूति और सम्मान को अपना आधार बनने दें और डिजिटल क्षेत्र में पारदर्शिता विश्वास और जवाब देही को बढ़ावा देने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति से पूरी मानवता को लाभ हो। समझौता करने के प्रलोभन का विरोध करें। यह एक नाजुक संतुलन है, जो नैतिक विचारों की मांग करता है, सत्य निष्ठा बनाए रखें, गलत सूचना का मुकाबला करें और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दे। इस आधुनिक तकनीकी युग में स्कूल ने तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के महत्व को सामंजस्यपूर्णता के साथ संरक्षित रखने का संकल्प लिया है कि तकनीक का सही और जिम्मेदारीभरा उपयोग करना हमारे नैतिक मूल्यों को कमजोर नहीं बल्कि उन्हें मजबूत बनाता है। छात्रों को नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्णता को समझाने और अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

दस छात्र गोल्डन एरो अवार्ड से होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नेशनल गोल्डन ऐरो अवार्ड से सम्मनित होने वाले कब बुलबुल टीम के साथ स्कूल स्टाफ।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेलरखा के प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कब बुलबुल की गतिविधियों में भाग लिया था। जिसमें उत्कृष्ठ प्रदर्शन प्रदर्शन करने के फलस्वरूप विद्यालय के 10 चयनित कब को दिल्ली में 19 से 23 फरवरी तक चलने वाले समारोह में नेशनल चीफ कमिश्नर द्वारा नेशनल गोल्डन ऐरो अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर कब मास्टर सुरेंद्र कुमार, प्रदीप जागलान व विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ये अवार्ड विद्यार्थियों को मिलना विद्यालय के लिए बहुत ही गर्व की बात है कब मास्टर सुरेन्द्र ने बताया कि प्रशिक्षण में बच्चों को जीवन उपयोगी विभिन्न गतिविधियां जिनमे मोगली कहानी, कब डांस, तबकी खेल, कब ग्रीटिंग, कैंप क्राफ्ट सिखाई। कब मा. प्रदीप जागलान ने बताया कि गतिविधियों से बच्चों में अनुशासन, समय का सदुपयोग, बड़ों का सम्मान, कठिन परिश्रम, प्रकृति प्रेम तथा जीवन में साहसिक सेवा गतिविधियां आत्मरक्षक एवं जीवन रक्षक कलाएं, भावनात्मक एकता, बौद्धिक दक्षता, सांस्कृतिक गतिविधिया, सामुदायिक विकास, कौशल विकास, परम्परागत खेल विकास, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां, स्वावलम्बन कि भावना विकसित होती है।

जींद। प्रतियोगिता में द्वितीय रहने पर सचिन सम्मानित होते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में सचिन रहे द्वितीय

जींद। राजकीय महाविद्यालय जींद के छात्र सचिन ने रा'य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्राप्त किया द्वितीय स्थान हासिल किया है। करनाल के केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में जिला निर्वाचन कार्यालय के सहयोग से महाविद्यालय निर्वाचन क्लब द्वारा रा'य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। यह रा'य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरुर डालेंगे हम विषय पर आधारित थी। सचिन ने इस विषय पर अपने विचार रख कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के छात्रों ने भाग लिया। सचिन को मुख्यअतिथि नगराधीश अमन कुमार, विशिष्ट अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंडीगढ़ से अधीक्षक राकेश कालड़ा और निर्वाचन तहसीलदार जयकिशन ने सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उसके उ'जवल भविष्य की कामना की। छात्र सचिन द्वारा यह उपलब्धि प्राप्त करने पर महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

स्काईलार्क ने निकाली संदेश यात्रा

- उपभोक्ता के अधिकार एवं प्रमाणन के महत्व पर संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। जागरूकता रैली निकालते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

77वें भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) स्थापना दिवस के उपलक्ष में स्काईलार्क समूह ने शनिवार को उपभोक्ता के अधिकार एवं प्रमाणन के महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया व संदेश यात्रा निकाली। संगोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों के व्यापारी, सेल्जमैन और उपभोक्ता शामिल हुए। उपभोक्ता मामलों के वरिष्ठ अधिवक्ता महावीर प्रसाद जैन बतौर मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता के तौर पर बीआईएस अधिकारी विकास कुमार उपस्थित थे। गोष्ठी की अध्यक्षता स्काईलार्क समूह के प्रबंध निदेशक जगबीर सिह ढुल ने की। उपभोक्ता मामलों के वरिष्ठ अधिवक्ता महावीर प्रसाद जैन ने बताया कि बीआईएस बेईमान व्यवसायियों और उत्पादकों द्वारा मानक चिन्हों या उसके नकली रूप का इस्तेमाल रोकने के लिए उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई करता है। इस तरह की कार्रवाइयों से उपभोक्ताओं को ब्यूरों के मानक चिन्हित उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में गुमराह किए जाने से बचाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि ब्यूरो के मानक चिन्ह के दुरूपयोग के बारे में गुप्त रूप से सूचनाएं एकत्र की जाती हैं और उनके आधार पर व्यापारियों और उत्पादों के खिलाफ छापा मारने, तलाशी लेने और उनके व्यापार पर रोक लगाने जैसी कार्रवाईयां की जाती है।

जींद। श्रद्धालुओं से भरी बस को रवाना करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

खाटू श्याम श्रद्धालुओं की बस को दिखाई हरी झंडी

जींद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य रघबीर भारद्वाज ने शनिवार को श्री श्याम सखा मंडल जींद द्वारा खाटू श्याम और सालासर की यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंडल से जुड़े हुए मुख्य सेवक साहिल अत्री, विक्रम, सोनू सैन, जतिन धवन, हैप्पी वर्मा, चिराग, मोहनलाल, त्रियंक रोहिल्ला, बलकार सैनी, दीक्षा जांगड़ा, जुल्ली, सोनिया गुलकनी आदि श्याम बाबा के श्रद्धालु मौजूद थे। श्याम बाबा के निशान को फहरा कर बस को रवाना करते समय रघबीर भारद्वाज ने कहा कि धार्मिक यात्राओं से लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। श्री श्याम सखा मंडल जींद की सेवा सराहनीय है। भारद्वाज ने कहा कि भाजपाई धर्म की आड़ में लोगों को भरमाने का काम करते हैं। भाजपाइयों ने सदैव जात और धर्म की आड़ में अपना स्वार्थ साधने का काम किया है। भाजपाइयों को धर्म से नहीं अपितु केवल अपना स्वार्थ साधने से मतलब है। इसलिए जींद क्षेत्र की जनता अपने धर्म का निर्वहन करते हुए भाजपाइयों के भ्रम जाल को तोड़ कर भाईचारे की भावना को मजबूती दें।

बुनियाद की परीक्षा से सुपर-100 तक पहुंचे मेधावी विद्यार्थी : एसडीएम

सुपर-100 में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते एसडीएम गुलजार मलिक। *फोटो :हरिभूमि*

शनिवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना मंडी में खंड उचाना के कक्षा 8वीं, 10वीं के मेधावी विद्यार्थियों के लिए खंड स्तरीय बुनियाद एवं सुपर-100 कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी पुष्पा रानी ने की। मुख्य अतिथि गुलजार मलिक एसडीएम उचाना पहुंचे। कार्यक्रम में सभी राजकीय विद्यालयों से कक्षा 8वीं, 10वीं के टॉप-3 विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक साथ थे। विकल्प संस्था द्वारा तैयार की वीडियो ग्राफी बच्चों को दिखाने के साथ प्रश्नोत्तरी की ताकि वह बुनियाद और सुपर-100 के सभी बिंदुओं को अच्छी तरह से समझ सकें। मंच संचालन मा. रामप्रसाद ने किया। एसडीएम ने कहा की गरीब विद्यार्थियों के लिए हरियाणा सरकार की शिक्षा विभाग की यह महत्वपूर्ण स्कीम है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी बुनियाद की परीक्षा में बैठ कर के सुपर-100 की तैयारी के लिए महंगे कोचिंग सेंटरों की बजाय सरकार द्वारा निर्धारित अच्छे संस्थान में मेधावी विद्यार्थी निट और इंजीनियरिंग की तैयारी करके बिना भारी भरकम फीस दिए भविष्य की बुलंदियों को छू लेते हैं। इसलिए मिशन बुनियाद बच्चों को आधार प्रदान करता है कि वह अपनी प्रतिभा के बल पर अपने सपनों को साकार कर सके। जिन विद्यार्थियों का सुपर-100 में चयन हो चुका है उनको भी सम्मानित किया गया। प्रेरक प्रसंग के रूप में उनके माता-पिता ने अपने अनुभव सुनाए पूरे दिन का सेमिनार सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शिक्षाप्रद प्रेरकों को रहा। शिक्षा जगत में इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए इस तरह का आगाज अभिभावकों द्वारा किया गया।

ये रहे मौजूद

विकल्प मिशन की इंचार्ज रिया महानता ने विद्यार्थियों में विषय वस्तु एवं कौशलता की परख तथा परीक्षा की तैयारी के सभी बिंदुओं को समझाया। इस अवसर पर यश कुमार, विद्यालय प्राचार्य सरोज श्योकंद, प्रवीण कुमार, गोविंद, सतविंद्र, शीशपाल शास्त्री, संजय चौधरी, मिनाक्षी, राजेश मलिक, रेनू, बबीता इत्यादि मौजूद रही।

जींद। अभियान में भाग लेते संस्था के सदस्य। *फोटो :हरिभूमि*

लोगों से कूड़ा डस्टबीन में डालने का आह्वान किया

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन एनवायरनमेंट सेव ने शनिवार दोपहर बाद सफीदों रोड पर स्कीम नंबर पांच से सफीदों गेट, हिंदू कन्या कॉलेज मार्केट एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 363वां अभियान संस्था के उपप्रधान अजमेर चौहान की अध्यक्षता में चलाया गया। संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाते लोगों को कूड़ा डस्टबीन में डालने का आह्वान किया। डस्टबीन के बिना स्वच्छता संभव नहीं। जब तक हर आदमी कूड़ा डस्टबीन में डालना शुरू नहीं करेगा स्वच्छता किसी भी रूप में नहीं रह सकती। यदि हमारे सामने कोई आदमी खुले में कूड़ा छोड़ता है या फेंकता है तो उसको हमने टोकना चाहिए। आपसी सामाजिक तानेबाने से एक दूसरे को स्वच्छता के प्रति समझाया जा सकता है। एक दूसरे को टोकने से हर आदमी स्वच्छता का ध्यान रखेगा। स्वच्छता से हमारा शहर, गांव और देश सुंदर तो दिखाई देगा ही, स्वच्छता से हमारा देश विकसित भी होगा और हमारे बच्चों का भविष्य उ'जवल भी होगा। इसलिए हम सभी ने डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए।

खबर संक्षेप

चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में किया जागरूक

राजौंद। राजकीय मॉडल स्कूल में कैम्प के छठे दिन बीआरपी अशोक कुमार व दीपिका ने शिरकत की। बच्चों को घर व आस पास में हो रहे शारीरिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाने व चाइल्ड केअर हेल्प लाइन नंबर 1098 पर सूचना देने बारे में जागरूक किया। साथ ही मोहित गोयल फार्मेसी अफसर व प्रीति शर्मा एएनएम ने बच्चों को स्वस्थ रखने को लेकर जागरूक किया।

अलग-अलग स्थानों से तीन बाइक चोरी

कैथल। थेहबनेड़ा के अमरीक सिंह की बाइक छोटी मंडी चीका से चोरी हो गई। रत्ता खेड़ा लुकमान की बाइक घड़ी नजीर से उसकी चोरी हो गई। मॉडल टाउन से पवन कुमार की बाइक को निशाना बनाया। शिकायत के आधार पर सभी मामलों में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पेटीएम से भी भर सकते हैं ट्रैफिक चालान

कैथल। हरियाणा पुलिस द्वारा आमजन को यह सुविधा देते हुए पेटीएम की मार्फत ट्रैफिक चालान का भुगतान करने की सुविधा प्रदान की है। एसपी उपासना ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले ट्रैफिक चालान केवल कैश राशि में भुगतान होता था। अब चालान का भुगतान करना आसान हो गया है।

आने वाला समय कांग्रेस का : तरसेम गोयल

गुहला-चीका। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व चीका नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन तरसेम गोयल ने कहा है कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में लहर बननी शुरू हो गई है नतीजतन हाड जुडा देने वाली ठंड में भी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की रैलियों में भारी भीड़ उमड़ रही है। गोयल आज दीपेंद्र की करनाल में होने वाली रैली में कार्यकताअरं के एक बड़े काफिले के साथ रवाना होने से पूर्व अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

जेपी नड्डा के स्वागत के लिए काफिला पंचकूला पहुंचा

कैथल । पंचकूला में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के रोड शो में उनका स्वागत करने के लिए कैथल जिला से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं हैफेड चेयरमैन कैलाश भक्त की अगुवाई में सैकड़ों वाहनों का काफिला पंचकूला रवाना सुबह ही रवाना हो गया था । हैफेड चेयरमैन कैलाश भक्त ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के रोड शो को लेकर कैथल जिला के हजारो भाजपा कार्येकताअरं बड़े उत्साह और जोश से भाग लिया । भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की पुरे देश में लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है जिस को लेकर प्रदेश भर से लाखो लोग उनके स्वागत में पचकुला पहुंचे । देश के प्रधानमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के रोड शो देश में एक रिकॉर्ड स्थापित किया।

गांव बीरथे बाहरी व बीरबांगडा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित

संकल्प यात्रा में वंचित लोगों को मिल रहा सरकार की योजनाओं का लाभ

कमलेश ढांडा ने गांव बिरथे बाहरी व बीर बांगडा मे आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम मे की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा स्टालों का निरीक्षण करते हुए तथा विकसित राष्ट्र की शपथ दिलाते हुए । फोटो : हरिभूमि

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल गरीब, महिलाओं, किसानों व युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहे हैं। जिसके तहत अनेक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया गया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिए मोदी सरकार की गारंटी की गाड़ी द्वारा वंचित पात्र लोगों को मौके पर योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

राज्य मंत्री कमलेश ढांडा गांव बीरथे बाहरी व बीरबांगडा में विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम मे शिरकत करने के दौरान बोल रही थी। राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही हैं कि कोई भी गरीब भूखा न रहे और सभी गरीबों को पक्का मकान मिले। सरकार लोगों के घर द्वार पर पहुंच कर उन्हें योजनाओं का लाभ दे रही है ताकि गरीब व्यक्तियों का जीवन स्तर सुधर सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। समाज के गरीब वर्ग के लोगों को विकसित भारत संकल्प यात्रा का उनके घर द्वार पर ही लाभ मिल रहा है। योजना के क्रियान्वयन को लेकर अगर किसी पात्र व्यक्ति को समस्या आ रही है तो उसका मौके पर समाधान किया जा रहा है। पात्र लोगों को मौके पर योजना का लाभ प्रदान किया जाता है।

इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को मौके पर योजनाओं का लाभ दिया गया। राज्य मंत्री ने गांव बिरथे बाहरी और बीर बांगड़ा में राजेंद्र सिंह, मंजीत सिंह, सुखपाल, पाला राम, बुधराम, कृष्णा, सुनिता को मौके पर ही आयुष्मान कार्ड का लाभ दिया। इसके साथ-साथ उज्जवला योजना के तहत सुख देवी व मीना देवी कविता, ममता, रितु को गैस सिलैंडर दिए।

इस मौके पर एसीईओ कंचन लता, रीना देवी, मंगत राम, सोनू, राजू, सिंदर, राहुल, कमलेश, जसबीर, जसवंत, सरपंच दीपक राणा, दीपू, दलबरी, नरेंद्र राजबीर आदि मौजूद रहे।

खमबेहड़ा के स्कूल में 11 लाख 7 हजार रुपए की धनराशि के कार्य का किया शिलान्यास

गुहला-चीका । विकसित भारत संकल्प यात्रा खंड गुहला के गांव खमबेहड़ा व टटियाना मे पहुंची, जहां विधायक ईश्वर सिंह ने बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम में शिरकत की। विधायक ईश्वर सिंह ने कहा कि इस यात्रा से सभी वर्गों को लाभ पहुंच रहा है। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को गांव-गांव पहुंचने वाली जागरूकता वैन तथा विभिन्न विभागों की ओर से लगाए जा रहे जागरूकता शिविरों के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। अंत्योदय के स्वप्न को साकार करने के लिए सरकार अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही है। इस यात्रा में लोगों की समस्याओं को भी सुना जाता है तथा मौके पर ही निपटने वाली समस्याओं को अधिकारियों के माध्यम से करवाया जाता है। विधायक ने कहा कि 3 करोड़ 80 लाख रुपए की धनराशि घग्घर के बांधो को दुरूस्त करने के कार्य के लिए मंजूर करवाई गई है। जिससे क्षेत्रवासियों को प्राकृतिक आपदा से निजात मिलेगी और बाढ़ के कारण होने वाले नुकसान से राहत मिलती। विधायक ने गांव खमबेहड़ा के स्कूल में 11 लाख 7 हजार रुपए की धनराशि से व गांव टटियाना के स्कूलो में लगभग 30 लाख रुपए की धनराशि से हो रहे विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। विधायक ने गांव टाटियाना में लगभग साढ़े 6 लाख रुपए की लागत से बने महिला संस्कृति केन्द्र का उद्धघाटन भी किया।

आरकेएसडी कॉलेज कैथल का चुनाव आज

- तैयारियां पूरी, 9 :00 बजे से शुरू होगी मतगणना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज का मुख्य द्वार।

रिटर्निंग ऑफिसर एवं प्रिंसिपल आरकेएसडी कॉलेज, कैथल डॉ. संजय गोयल ने 7 जनवरी, 2024 को कॉलेज में होने वाले चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने और अंतिम रूप देने के लिए आज शाम के सत्र के सेमिनार हॉल में आरकेएसडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के कर्मचारियों के साथ चुनावी रिहर्सल की। रिहर्सल बैठक में डॉ. गोयल और दोनों एआरओ दिनेश भारद्वाज और रमेश सरदाना भी उपस्थित थे। चुनाव प्रक्रिया के बारे में कर्मचारियों को जानकारी देने के लिए श्री समशेर सिंह, सेवानिवृत्त कानूगो भी वहां मौजूद थे। डॉ. गोयल ने बताया कि कॉलेज गेट से सटे अंबाला रोड के दोनों तरफ बैरिकेडिंग होगी। मतदाताओं की उम्र आदि जैसी विभिन्न संभावित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं की सुविधा के लिए रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से कार, ई-रिक्शा और व्हील चेयर की व्यवस्था भी की गई है। जिला प्रशासन और कॉलेज के दो हेल्प डेस्क की मदद से विभिन्न सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। कर्मचारी भी बनाए गए हैं जो यह सुनिश्चित करेंगे कि केवल मतदाता ही वोट डालने के लिए कॉलेज परिसर में प्रवेश करेंगे। मतदाताओं और उम्मीदवारों के अलावा किसी भी अन्य व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं है। उम्मीदवारों को पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं और पोलिंग एजेंटों को कल उनके संबंधित बूथों के पीठासीन अधिकारियों द्वारा पहचान पत्र जारी कर दिए जाएंगे। प्रति उम्मीदवार केवल एक पोलिंग एजेंट को बूथ पर जाने की अनुमति है।

नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत पुलिस का जागरूकता अभियान लगातार जारी

कैथल । पुलिस टीम द्वारा कैथल जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी मुहिम तहत शनिवार को जागरूकता टीम में शामिल इंस्पेक्टर सतीश कुमार, पीएसआई रामलाल, एचसी सुखबीर सिंह, एचसी सुनील कुमार व चालक संजय दत्त की टीम द्वारा गांव खंबेड़ा में ग्रामीणों व मौजिज व्यक्तियों को नशे के प्रति जागरूक करने के साथ साथ इस अभियान को सफल बनाने में आमजन से सहयोग की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस टीम द्वारा जानकारी दी गई कि नशा किसी भी व्यक्ति के लिए किसी प्रकार से हितकारी नहीं हो सकता। नशा करने वाले व्यक्ति को समाज हीनता की दृष्टि से देखता है। इसलिए किसी को किसी प्रकार के नशे की लत में नहीं पड़ना चाहिए। विद्यार्थी वर्ग को पढाई व खेलों में ध्यान लगाकर मेहनत करके राष्ट्र निर्माण में योगदान करना चाहिए। पुलिस विभाग द्वारा नशा करना वाले व्यक्तियों की भी काउंसलिंग करवाई जा रही है।

स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कैथल। जागरूकता रैली निकालते स्वयं सेवक । फोटो : हरिभूमि

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कमालपुर में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस के विशेष कैंप में आज विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इसमें प्रथम सत्र के दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व सड़क सुरक्षा जैसे विभिन्न मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई। कार्यक्रम के आरम्भ सारिका के गीत /" थोड़ी थोड़ी दूरियां पै घूर कै लखावैं /"से किया गया। बतौर मुख्यवक्ता सडक सुरक्षा पर अपने वक्तव्य में वायुसेना में कार्यरत जसवीर मोर ने कहा कि आज भारत में हर वर्ष लगभग अस्सी हजार लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जो पूरी दुनिया में होने वाली कुल मृत्यु का 13 प्रतिशत है। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने पर्यावरण, पराली निस्तारण, पलास्टिक का प्रयोग ना करना जैसे समसामायिक मुद्दों पर एक रैली का आयोजन किया व नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली में सभी स्वयंसेवकों ने तख्तीयां बैनर लेकर जहां ग्रामीणों को जागरूक किया।

हरपाल पहलवान यज्ञ में हुए शामिल

पूंडरी। हलके के वरिष्ठ नेता एवं हरपाल पहलवान फतेहपुर ने कहा कि जिंदगी में विचार, कार्य-प्रणाली और व्यवहार व्यक्ति के भविष्य को तय करते हैं। अगर हम अपने विचारों को सकारात्मक, कार्य-प्रणाली को संवेदनात्मक और व्यवहार को उदार बनाकर चलेगें तो मनचाही सफलता प्राप्त कर सकतें है। हरपाल पहलवान आज गांव फतेहपुर की बिहान चौपाल में गांव की सुख शांति व समृद्धि के लिए आयोजित यज्ञ में भाग लेने के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देवों की कृपा के लिए, वातावरण की शुद्धि के लिए और आत्मिक शक्ति के लिए यज्ञ का आयोजन करना बेहद आवश्यक है।

आग से बचाव की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। प्रशिक्षक प्रताप सिंह स्वयंसेवकों अग्निमशन से संबंधित प्रशिक्षण देते हुए

ओ.एस.डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल, कैथल में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में पांचवें दिन की शुरूआत पतंजलि योगपीठ से आमंत्रित योगाचार्य श्यामलाल आर्य द्वारा कराए गए योगाभ्यास के साथ हुई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने सामाजिक मूल्यों पर आधारित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता मे बढ़-चढ़कर भाग लिया। तत्पश्चात सामाजिक कार्यकर्त्ता व अग्निशमन विभाग से आए हुए विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह ने बच्चों को अग्नि शमन सुरक्षा से संबंधित विशेष और महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की शिविरार्थियों द्वारा जल बचाओ अभियान पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने शिक्षाप्रद व मनोहारी प्रस्तुति के लिए संबंधित प्रशिक्षकों और शिविरार्थियों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी सुमित कुमार,विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सुशील कुमार, अजय दुआ व अन्य अध्यापकगण उपस्थित थे।

कैथल। शिविर के समापन पर विद्यार्थी ।₹ फोटो : हरिभूमि

सात दिवसीय डे नाइट शिविर का समापन

कैथल । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंदाना में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय डे नाइट शिविर का समापन किया गया। शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणवी लोक गायक पंडित बलबीर शर्मा देवबन ने शिरकत की। समारोह का प्रारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से किया गया। तत्पश्चात स्वयंसेविका भावना और प्रीति द्वारा शिविर के अपने अनुभवों को सांझा किया गया।कार्यक्रम अधिकारी अनिरुद्ध वर्मा ने कैंप की पूरी रिपोर्ट मुख्य अतिथि के सामने रखी। पंडित बलबीर शर्मा कहा कि इस तरह के जागरूकता पूर्ण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वयंसेवक भी समाज में एक अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर भविष्य में लगाते रहने चाहिए जिनसे विद्यार्थियों के अंदर चरित्र व सामाजिकता के गुण पैदा हो। अंत में कार्यक्रम अधिकारी अनिरुद्ध वर्मा ने शिविर के आयोजन के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग का धन्यवाद किया।

वानरों के लिए बनाए रैन बसेरे

गुहला-चीका ▶▶| राजपाल जिंदल

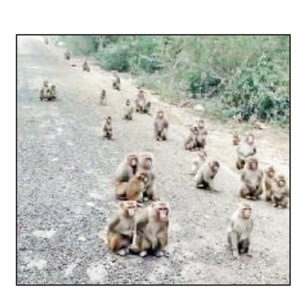

कैथल। गुहला–चीका : शीत लहर के बीच कंपकंपाते वानर व उनके छोटे छोटे बच्चे। फोटो : हरिभूमि

शहर की प्रसिद्ध धार्मिक व सामाजिक संस्था वीर अनुमान सेवा दल ने पड़ रही कड़ाके की ठंड, धुंध व कोहरे से यहां के जंगलात में रहने वाली वानर सेवा को बचाने का बीड़ा उठाया है नतीजतन सेवा दल के सदस्यों ने वानरों के लिए पराली का प्रयोग करते हुए अस्थाई रैन बसेरे बनाए हैं ताकि रात के समय वानर उक्त रैन बसेरों में घुसकर ना केवल आराम की नींद सो सकें अलबत्ता अपने आप को ठंड से भी बचा सकें। उक्त जानकारी देते हुए सेवा दल के प्रमुख काकू पहलवान ने आज यहां बताया कि उन्होंने दल के कुछ सदस्यों के सहयोग से पहले आसपास रहने वाले किसानों से पराली का प्रबंध किया और बाद में जंगल में जाकर पराली व जंगल की लकडिय़ों की सहायता से झोंपडिय़ां बना दी ताकि वानर व उनके छोटे छोटे बच्चों को ठंड से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्होंने झोंपडिय़ां तैयार की तो मानों उन्हें प्राकृतिक रूप से इस बात का अहसास हो गया कि ये रैन बसेरे शायद उन्हीं के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी वानर धीरे धीरे रैन बसेरों में घुस गए और उसके बाद उन्हें ठंड से राहत महसूस की। काकू ने बताया कि वे जनता जनार्दन के सहयोग से वानरों के लिए अकसर फल, फरूट व अन्य खाद्य सामग्री लेकर जंगल में जाते हैं और उन्हें वानरों को खिलाते हैं। उन्होंने बताया कि देखने में वानर बेशक मूक हों परंतु जैसे सेवा दल के सदस्य जंगल में उनके लिए फल व चने आदि लेकर जाते हैं, वानर ना केवल जंगल से बाहर निकल आते हैं। अलबत्ता अपनी प्राकृतिक भाषा का प्रयोग करके जंगल में घुसे अन्य वानरों को भी बुला लेते हैं।

कांग्रेस में वापसी पर निर्मल सिंह को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कैथल। निर्मल सिंह के साथ कांग्रेसी नेता सतीश गोलन । फोटो : हरिभूमि

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी कांग्रेसी नेता व पूर्व पार्षद सतीश गोलन ने कहा कि प्रदेश में जब से भाजपा सरकार बनी है तब से कभी किसान, मजदूर तो कभी कर्मचारी अपनी मांगों को मनवाने के लिए सडक पर प्रदर्शन करते नजर आए हैं, लेकिन प्रदेश सरकार ने लाठी के दम पर किसान, मजदूर और कर्मचारी की आवाज को दबाने का काम किया है।

गत दिवस कांग्रेस पार्टी में वापसी करने पर निर्मल सिंह एवं चित्रा सरवारा को आज बधाई देने के पश्चात पूंडरी में बातचीत करते हुए सतीश गोलन ने कहा कि निर्मल सिंह व चित्रा सरवारा के कांग्रेस पार्टी में आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। सतीश गोलन ने कहा कि भाजपा-जजपा सरकार ने हरियाणा को विकास की पटरी से उतार दिया है और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया है।

गांव पबनावा में एनएसएस का सात दिवसीय शिविर आयोजित

जगद्गुरु ब्रह्मानंद आश्रम में चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

कैथल। जगद्गुरु ब्रह्मानंद आश्रम में चलाया सफाई करते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल, कैथल की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा गांव पबनावा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सोनिया रानी की देखरेख में आयोजित किया गया। इस सात दिवसीय शिविर के द्वितीय दिवस के प्रातःकालीन सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष तंवर,प्राचार्य डी ए वी कालेज,पुंडरी,कैथल रहे।सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। डा. सुभाष तंवर ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका विषय पर कहा कि राष्ट्र की प्रगति में युवावर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत आप सभी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सोनिया रानी ने सभी का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए डॉ. सुभाष तंवर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्वयंसेवकों ने रैली निकाली

उन्होंने कहा कि आज हमें संकल्प लेना है कि हम सभी अच्छे नागरिक बनकर समाज व देश की सेवा करेंगे व समाज में व्याप्त विभिन्न विकृतियों के प्रति जागरूक अभियान चलाकर अच्छे स्वयंसेवक होने का परिचय देंगे ।इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने गांव के स्थित जगद्गुरु ब्रह्मानंद आश्रम में सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया और गांव में नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। सायंकालीन सत्र में इतिहास विभाग की व्याख्याता डा. पुष्पा देवी ने योग का महत्व विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की अमूल्य देन है।

कैथल। सीवन से पंचकुला के लिए रवाना होते भाजपा कार्यकर्ता

सीवन से भाजपा कार्यकर्ताओं का जत्था पंचकुला में रोड शो के लिए रवाना

सीवन। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के स्वागत में पंचकुला में भाजपा के रोड शो का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सीवन से भाजपा कार्यकर्ताओं का जत्था भाजपा आई.टी. सैल के जिला अध्यक्ष बलविन्द्र जांगड़ा की अगुवाई में पंचकुला के लिए रवाना हुआ। इससे पूर्व पत्रकारों से बात करते हुए जांगड़ा ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी और जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर के निर्देशानुसार सीवन से भाजपा कार्यकर्ता पंचकुला के लिए जा रहे हैं और वहां पर होने वाले रोड शो में हिस्सा लेंगे।

चेक बाउंस मामले में उद्घोषित अपराधी काबू

कैथल। पीओ पकडो स्टाफ के एएसआई रणदेव सिंह द्वारा आरोपी गांव म्यौली निवासी राजेश को गिरफ्तार किया गया। जो वर्ष 2021 दौरान चेक बाउंस मामले में माननीय अदालत द्वारा 30 अक्तूबर 2023 को पीओ घोषित किया गया था। जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

खोया पाया

मैं, राजेश चोपड़ा पुत्र श्री रामकिशन निवासी गांव बेलरखां तहसील नरवाना जिला जींद हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी असल सेल डीड नंबर 630/1 दिनांक 25.04.2022 जो राजेश चोपड़ा के पक्ष में है, जो नए बस स्टैंड कैथल के निकट से दिनांक 10.12.2023 में गुम हो गई है। इस संबंध में आवश्यक सूचना संबंधित थाना सिविल लाइन कैथल को दे दी गई है। अगर किसी को उक्त ओरिजिनल डीड मिलती है तो वह उपरोक्त पते या मेरे मोबाइल नंबर 9416719529 पर 7 दिन के अंदर सूचित करें।

खबर संक्षेप

रणदीप सुरजेवाला आज डाहौला में

जींद। किसान मजदूर कांग्रेस की जिलाध्यक्ष लाजवंती डाहौला ने रविवार को अलेवा में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य सभा सांसद रणदीप सुरजेवाला के कार्यक्रम को लेकर अपनी टीम के साथ कई गांवों का दौरा कर लोगों को निमंत्रण दिया। किसान-मजदूर कांग्रेस की जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस संकल्प दिवस का आयोजन अलेवा में दोपहर एक बजे गांव के फिरनी पर तालाब के पास किया जा रहा है।

4600 ग्रेड पे व पदों को भरने की उठाई मांग

जींद। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत फार्मेसी आफिसरों ने अपनी लंबित मांगो को लेकर बलबीर श्योराण के मार्ग दर्शन में सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा। इसमें लंबित पडे पदों को भरने व 4600 ग्रेड पे सहित अन्य मांगो को रखा गया। सिविल सर्जन डा. गोपाल किशोर गोयल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक को ज्ञापन भेजा गया। राजकीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रधान सुधीर खर्ब ने कहा कि फार्मेसी आफिसर स्वास्थ्य विभाग में हिडन आर्मी की तरह है।

चेयरमैन, पार्षदों को नहीं मिल रहा बढ़ा मानदेय

उचाना। सीएम मनोहर लाल द्वारा नपा चेयरमैन, पार्षदों के मानदेय को बढ़ाने की घोषणा की थी। ये बढ़े हुआ मानदेय अक्टूबर माह से देने के लिए पत्र भी जारी होने के बाद चेयरमैन, पार्षदों को बढ़ा हुआ मानदेय नहीं मिल रहा है। पार्षद पंकज करसिंधु, दीपक बुडायन, कपिल जोगी ने कहा कि सीएम मनोहर लाल की घोषणा के बाद बढ़े हुए मानदेय को लेकर पत्र भी जारी हो चुका है।

सात को शहर में गूंजेंगे जय श्रीराम के जयकारे

उचाना। गुरूवार महाराजा अग्रसेन मंदिर उचाना मंडी धर्मशाला में सामाजिक कार्यकताओं की मीटिंग हुई। पार्षद भारत भूषण गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि अयोध्या में भगवान श्री रामचंद्र का मंदिर बन रहा है। 22 जनवरी को मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रह है। सात जनवरी को शहर के विभिन्न बाजारों से कलश यात्रा निकाली जाएगी। रेलवे रोड स्थित महिला कॉलेज से शुरू हुई यात्रा शहर के विभिन्न बाजारों में पहुंचेगी।

अस्पताल में पहुंचने वाला हर दूसरा मरीज वायरल फीवर से पीड़ित

मौसम के बदलते मिजाज से वायरल फीवर की चपेट में आ रहे लोग

प्रतिदिन पहुंचते हैं 800 मरीज, 250 मरीज सर्दी, बुखार से पीड़ित चिकित्सकों द्वारा वायरल पीड़ितों के करवाए जा रहे टैस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सर्दी बढ़ने के साथ ही नागरिक अस्पताल में मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। सर्दी बढ़ने के साथ ही इस समय ओपीडी में बुखार, सर्दी, जुखाम, कोल्ड, वायरल, खांसी, सांस लेने में दिक्कत के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। शनिवार को ओपीडी में इन मरीजों की संख्या अधिक रही। इसमें सबसे 'यादा संख्या बुजुगोंर् व बच्चों की थी, जिन्हें सांस लेने में परेशानी थी। वहीं छोटे-छोटे बच्चे बुखार व सर्दी, खांसी से पीड़ित थे। चिकित्सकों के अनुसार सर्दियों के मौसम में वायरल इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। इसलिए ठंड में सेहत का विशेष ध्यान रखें। खासकर बच्चों और बुजुगोंर् का। क्योंकि इस मौसम में जरा सी लापरवाही कोल्ड डायरिया से लेकर निमोनिया का कारण बन सकती है। सर्दी से बचने के लिए सुबह शाम टहलने से बचें। धूप निकलने पर ही घर से निकलें।

प्रतिदिन पहुंचते हैं 800 मरीज, 250 मरीज सर्दी, बुखार से पीड़ित: नागरिक अस्पताल में इन दिनों प्रतिदिन 800 पर्ची बन रही है। सोमवार व शनिवार को यह संख्या एक हजार से ऊपर तक पहुंच जाती है। इनमें से लगभग 250 मरीज ऐसे हैं जिन्हें वायरल है या फिर सर्दी, खांसी, जुखाम है। वहीं पिछले एक सप्ताह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में उतार चढाव बना हुआ है। अधिकतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रह रहा है वहीं न्यूनतम तापमान पांच डिग्री के आसपास रह रहा है। जिसके चलते इस समय सर्दी, जुखाम, बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन 200 से 250 मरीज ऐसे पहुंच रहे हैं जिन्हें या तो बुखार है या फिर सर्दी या खांसी है। हालांकि कोरोना के नए वैरिएंट को देखते हुए सैंपलिंग के आदेश दिए गए हैं लेकिन बहुत कम ही सैंपलिंग हो रही है। इस सम सर्दी, जुखाम, बुखार, के बढ़ते मरीजों की संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की मुश्किलों को बढ़ा दिया है।

नागरिक अस्पताल में दवा लेने के लिए लगी लाइन। फोटो : हरिभूमि

यह हैं वायरल बुखार के लक्षण

नागरिक अस्पताल के एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि वायरल बुखार के मुख्य लक्षण गले में खराश और कंपकपी, खांसी, जुखाम, तेज बुखार, थकान, जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों व बदन में दर्द, सिर और गले में दर्द, आंखें लाल होना आदि हैं। ऐसे में तुरंत प्रभाव से चिकित्सक की सलाह लेकर दवा लेनी चाहिए। बच्चों तथा वृद्धों के स्वास्थ्य व स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

नागरिक अस्पताल के एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि ठंड से बचने के लिए कई परत में गर्म कपड़े पहनें। गर्म पानी का सेवन करें। ठंडा पानी नुकसान पहुंचा सकता है। सर्दी से बचने के लिए मुंह और सिर ढके रहें। मास्क अवश्य पहनें। यह कोरोना के साथ अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाएगा। शारीरिक स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। इस मौसम में ठंड से बचाव बेहद जरूरी है।

वायरल होने पर तुरंत चिकित्सक से उपचार करवाएं : डा. गोपाल गोयल

नागरिक अस्पताल के सीएमओ डा. गोपाल गोयल ने कहा कि ठंडा मौसम वारयल फीवर का कारण बना हुआ है। इस मौसम में लोगों को खांसी, जुखाम, बदन दर्द, गला दर्द जैसी कई समस्याएं होती हैं। इसमें होने वाला वायरल फीवर हमारे इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिसकी वजह से शरीर में इंफेक्शन बहुत तेजी से बढ़ता है। वायरल के संक्रमण बहुत तेजी से एक इंसान से दूसरे इंसान तक पहुंच जाता है। ऐसे में हमे विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। वायरल होने पर तुरंत चिकित्सक से उपचार करवाना चाहिए और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

शनिवार को भी नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन

हरिभूमि न्यूज. कैथल

- शीत हवाओं का दौर रहा जारी

जिले में शुक्रवार से शीतलहर के कारण हाड़ कंपा देने वाली ठंड जारी है। शीत हवाओं का दौर भी जारी रहा। शनिवार को दिनभर धूप न खिलने से लोग अपने घरों में ही दुबके रहे। शनिवार को अधिकतम तापमान 14 व न्यनूतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं छह किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। पर्वतीय क्षेत्र की ओर से चलने वाली हवाओं से तथा दिनभर सूर्यदेव के नदारद रहने से वातावरण में ठिठुरन बढ़ गई है। आम जन-जीवन को देखा जाए तो अधिकांश लोगों ने अपने घरों में ही दुबके रहने में अपनी भलाई समझी। क्योंकि पर्वतीय क्षेत्र की ओर से आने वाली हवाएं शरीर में सिहरन दौड़ने के लिए काफी थी। अति जरूरी काम होने की सूरत में ही लोग अपने घरों से बाहर निकले, वे भी गर्म कपड़ों में लिपटे हुए दिखाई दिए। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डा. रमेश वर्मा का कहना है कि इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अगले दो से तीन दिन धुंध छाने की संभावना है।

धुंध व कोहरे के कारण बढ़ी ठंड

गुहला-चीका। कस्बा में शनिवार को भी ठंड का कहर अभी जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले एक पखवाड़े से पड़ रही धुंध व कोहरे के कारण तापमान में काफी गिरावट महसूस की जा रही है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले एक दो दिन में बरसात के आसार भी बन रहे हैं परंतु लगता है कि प्रकृति लोगों के साथ आंखमिचौनी का खेल, खेल रही है और हर रोज पूर्व अनुमान गलत निकल रहे हैं। मौसम को लेकर विशेषज्ञ जो भी कहें परंतु बुजुर्ग अपने अनुभव के आधार पर छाती ठोक कर यह कह रहे हैं कि लोहड़ी-संक्रांत तक मौसम ठंडा ही रहेगा और इस दौरान मौसम में कई प्रकार के बदलाव भी देखे जा सकते हैं। बहरहाल आगामी लगभग एक सप्ताह तक मौसम में ठंडक रहने, ठंडी हवाएं चलने व हलकी बूंदाबांदी के साथ सूर्य की आंख मिचौली के खेल का सिलसिला भी जारी रहने की प्रबल संभावनाएं बनी रह सकती हैं।

जींद। दिन के समय आसमान में छाई धुंध। फोटो : हरिभूमि

अभी नही ठंड से राहत और सताएगी सर्दी

- नौ जनवरी को बारिश तथा बूंदाबांदी के आसार, गिरेगा तापमान
- शनिवार को अधिकतम तापमान लुढक कर आया 10 .4 डिग्री पर
- दिनभर छुटी कंपकपी, अलाव बनी लोगों का सहारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

ठंड कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। अगामी दिनों में ठंड ओर बढेगी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते नौ जनवरी को हलकी बारिश तथा बूंदाबांदी की भी संभावना बन रही है। शनिवार को अधिकतम तापमान लुढ़क कर 10.4 डिग्री पर आ गया। दिनभर सूर्य के दर्शन नही हुए और ठंड से कंपकपी छुटती रही। लोगों को अलाव का सहारा लेते देखा गया। कडाके की ठंड का जनजीवन पर साफ असर देखने को मिला। शनिवार को अधिकतम तापमान 10.4 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान छह डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 66 प्रतिशत तथा हवा की गति पांच किलोमीटर प्रतिघटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक ठंड से राहत मिलने की कोई संभावना नही है।

कडाके की ठंड से दिनभर छुटती रही कंपकपी: पिछले एक सप्ताह से कडाके की ठंड के साथ धुंध तथा कोहरा भी पड रहा है। सूर्य भी नहीं दिखाई दे रहा है। आकाश में दिनभर बादलवाई बनी रहती है। शनिवार को दिन का आगाज धुंध तथा आकाश में छाए बादलों के साथ हुआ। दिन चढ़ने के साथ धुंध छंट गई। पूर्व से चली ठंडी हवा से तापमान अधितकतम तापमान 10.4 डिग्री पर अटक गया। जिसका असर जनजीवन पर साफ देखने को मिला। सूर्य के दर्शन नही हुए और दिनभर ठंड से कंपकपी छुटती रही।

अभी नही ठंड से राहत, नौ को बारिश की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड से राहत मिलने की कोई संभावना नही है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते आठ जनवरी को शाम तक मौसम करवट लेगा। नौ जनवरी को बारिश के आसार बन रहे हैं। जिसके साथ तापमान में ओर गिरावट आएगी। दस दौरान अधिकतम तापमान 11 से 14 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान सात से आठ डिग्री बने रहने तथा हवा कि गति 4 से 9 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है।

बोले विशेषज्ञ

पांडू पिंडारा कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि फिलहाल ठंड से राहत मिलने के कोई आसार नही है। नौ जनवरी को हलकी बारिश तथा बूंदाबांदी के आसार हैं। आकाश में बादलवाई बनी रहेगी और ठंड भी जारी रहेगी। मौसम सरसों में सफेद रतवे के अनुकूल बना है। साथ गेहूं में भी कहीं-कहीं पीलापन देखने को मिल रहा है। किसान कृषि विशेषज्ञों से संपर्क कर उपचार करें।

भट्ठे से चोरी से ईंटे बेचने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

कैथल। ईंट भट्ठे से चोरी से इंटे बेचने के मामले की जांच चौकी संगतपुरा पुलिस के एएसआई सुरेंद्र कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी जिला करनाल के गांव गौंदर निवासी विशाल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि माडल टाउन कैथल निवासी सुशील की शिकायत अनुसार उसका इंट भट्ठा गांव बाबा लदाना में है। जो विशाल उपरोक्त को व्यापार की देखभाल के लिए मुंशी रखा था। जो विशाल ने चोरी से 6 हजार इंटे बेच दी। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज किया गया। आरोपी शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा, जिससे पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

पुरुष मुक्केबाजी में पंकज ने जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

- विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय कौल के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने बताया कि 01 जनवरी से 05 जनवरी, 2024 तक चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली में आयोजित ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय पुरुष मुक्केबाजी प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की ओर से खेलते हुए हमारे महाविद्यालय के होनहार खिलाड़ी पंकज बीएससी स्पोर्ट्स प्रथम वर्ष ने स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) प्राप्त किया है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा इस प्रतियोगिता में नॉर्थ साउथ ईस्ट वेस्ट चारों जोन से 32 यूनिवर्सिटी के 416 मुक्केबाजों ने अलग-अलग 13 भार वर्ग में भाग लिया था जिसमें पंकज ने 63.5 भार की प्रतियोगिता में गोल्ड लेकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। उल्लेखनीय है कि पंकज ने हाल ही में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी गोल्ड प्राप्त किया था। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने जानकारी देते हुए कहा कि पंकज ने आगामी प्रतियोगिता खेलो इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जो की फरवरी महीने में गुवाहाटी में आयोजित होगी उसके लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने इस होनहार खिलाड़ी को साधुवाद देते हुए उसके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। प्रबंधन समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह समस्त महाविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए पंकज को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

ढांड। खिलाड़ी पंकज को सम्मानित करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी ग्रुप ने कराया बीएलएस ग्रुप पर धोखाधड़ी का मामला

- गुरप की दर्जनभर गाड़ियां दूसरे लोगों तथा कबाड़ में बेचने का आरोप
- बीएलएस गुरप के चेयरमैन समेत छह पदाधिकारियों पर मामला दर्ज

जींद। यदुवंशी शिक्षा निकेतन एवं राव चिरंजीलाल स्मृति एंड जनसेवा ट्रस्ट गुरप की दर्जनभर गाडियां अन्य पार्टी को बेचने, दो छोटी गाडियों को कबाड में बेचने, बसों को कब्जे में रखने, निर्धारित किराया न देने का मामला सामने आया है। सदर थाना पुलिस ने यदुवंशी संस्था के चेयरमैन पूर्व मंत्री राव बहादुर की शिकायत पर बीएलएस ग्रुप के चेयरमैन समेत छह पदाधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के चेयरमैन एवं पूर्व मंत्री नांगल चौधरी निवासी राव बहादुर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2016 में उन्होंने गांव ईगराह स्थित यदुवंशी स्कूल की फ्रेंचाइजी एक अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2022 तक पांच साल के लिए गाजियाबाद के बीएलएस ग्रुप को दी थी। बच्चों को लाने व ले जाने के लिए यदुवंशी गुरप ने उन्हें गाड़ियां दी थी। ट्रस्ट ने 46 छोटी व बड़ी गाडियां खरीद कर 35 बीएलएस ग्रुप को शतारें पर दी थी। 31 मार्च को दोनों गुरप सहमति से अलग-अलग हो गए थे। गांव ईगराह स्कूल बिल्डिंग बीएलएस ग्रुप की थी। जिस में बीएलएस ग्रुप ने वहां पर ब्राइट एवेन्यू नाम से स्कूल शुरू कर लिया। यदुवंशी स्कूल की गांव बीबीपुर के निकट इमारत तैयार हो गई। जब उन्होंने बीएलएस गुरप से गाडियां वापस मांगी तो वे उन्हें देने में आनाकानी करने लगे। जिस पर उन्होंने अप्रैल 2023 में आरटीए कार्यालय में एनओसी न देने की अपील की। करार समाप्त होने के बाद भी उनके नाम से जुलाना की फर्म से राशन लेते रहे। जिसका भुगतान नहीं किया गया। जिससे उनकी फर्म की छवि खराब हुई।

स्वयंसेवकों से बुराइयों को त्यागने के लिए किया प्रेरित

राजौंद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैलरम में एनएसएस कैंप के सातवें दिन शिविर का विधिवत रूप से समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षा देवी व स्कूल प्रधानाचार्य अमृत लाल पहुंचे। इस दौरान मुख्य अतिथि शिक्षा देवी ने स्वयं सेवकों को हैंडवाश व खून में कमी को दूर करने के उपाय को विस्तार पूर्वक बताया गया। इसी कड़ी में शिक्षा देवी ने बताया कि किसी देश को एक अच्छा भविष्य अच्छा स्वास्थ्य मिलने के लिए हमें स्वच्छता के प्रति सचेत रहना चाहिए। प्रधानाचार्य अमृतलाल ने स्वयंसेवकों को बुराइयों को त्यागने के लिए प्रेरित किया। इसी संदर्भ में विद्यालय के एनएसएस नोडल अधिकारी चंद्रमणि ने एक हरियाणवी गीत के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। इस दौरान मंच संचालन के माध्यम से डॉक्टर रमेश राणा ने विद्यालय की गतिविधियों को 7 दिन के शिविर का वर्णन किया। इसी संदर्भ में विद्यालय के स्वयंसेवक प्रियलए रितु, मोनिका व रजनी सहित स्वयंसेवकों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान रामफल मालिक, सुरेंद्र कुमार, पवन, जसमहेंद्र व अजय मौजूद रहे।

यात्री बस में नगदी से भरा पर्स भूला

यात्री अंकुश को राशि से भरा बैग लौटाते हुए। फोटो : हरिभूमि

जींद। एक यात्री बस में अपना पर्स भूल गया था, जिसमें सात हजार रुपये की नगदी व अन्य सामान था। जिस पर उस यात्री का पता लगा उसे राशि को सौंप दिया। ट्रैफिक मैनेजर वीरेंद्र पाल ने बताया कि यात्री अंकुश असंध से सफीदों जा रहा था। जैसे ही बस सफीदों पहुंची तो वह जल्दी-जल्दी में बस से उतर गया। इसी बस में खानसर चौक से रोडवेज सब इंस्पेक्टर रामभज भी बस स्टैंड पर आने के बस में बैठे थे। जब बस सफीदों बस स्टैंड पर पहुंची तो रामभज की नजर पर्स पर पड़ी थी। जिसमें पैसे व जरूरी कागजात थे। रामभज ने दस्तावेज पर दिए गए नंबर से यात्री अंकुश को फोन किया और उसे अपने पास बुलाया। जांच-पड़ताल के बाद बस इंस्पेक्टर रामभज ने यात्री को उसका पर्स वापस कर दिया। रामभज ने यात्री को पर्स वापस कर ईमानदारी का परिचय दिया है।

स्वयंसेविकाओं ने गौशाला में किया श्रमदान

सफीदों। नगर के राजकीय कन्या सीनियर सैकेण्डरी स्कूल की एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने नगर की स्वामी गौरक्षानंद गौशाला में श्रमदान किया। गौरक्षानंद गौशाला के उपाध्यक्ष रणधीर सैनी, महासचिव शैलेंद्र दीवान व सदस्य तीर्थराज गर्ग ने एनएसएस अधिकारी गीता देवी, डीईपी अशोक शर्मा व स्वयंसेविकाओं का गौशाला पहुंचने पर अभिनंदन किया। इस मौके पर स्वयंसेविकाओं ने गौशाला में गऊओं को चारा व गुड़ डाला व गौशाला परिसर की साफ-सफाई की। इसके बाद स्वयंसेविकाएं पेड़ बचाओं व जल बचाओं विषय पर नगर में रैली निकालती हुई स्कूल प्रांगण में पहुंची। अपने संबोधन में गौशाला के महासचिव शैलेंद्र दीवान ने कहा कि बेहद खुशी का विषय है कि एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने अपना समय गौवंश के साथ बिताया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

सफाई व्यवस्था को लेकर पालिका चेयरपर्सन व सचिव में मतभेद बढ़ता जा रहा

नगरपालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने खुद करवाई सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर पालिका चेयरपर्सन व सचिव के बीच चल रहा मतभेद गहराता जा रहा है। जिसका खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। शहर में चारों तरफ हर वार्ड में गंदगी के ढेर लगे हुए है। शुक्रवार को खुद चेयरपर्सन सुनीता सैनी व उनके पति पवन सैनी ने मीडिया वालों को शहर में फैली गंदगी के हालात मौके पर ले जाकर दिखाए थे। दूसरी तरफ पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा ने दावा किया था कि कहीं गंदगी नहीं पड़ी है। शहर में हर रोज सफाई करवाई जा रही है। शनिवार को चेयरपर्सन प्रतिनिधि पवन सैनी खुद पालिका के स्थाई लगभग 17 सफाई कर्मचारियों के साथ सफाई करवाते नजर आए। उन्होंने सबसे पहले हुडडा मार्केट में फैली गंदगी की सफाई करवाकर कूड़ा-ककर्ट को ट्रालियों में डलवाकर शहर से बाहर डलवाया। पवन सैनी ने कहा कि वे शहर का विकास व सफाई चाहते है, लेकिन पिछले चार माह में दो पालिका सचिव बदल दिए गए और मौ'ूदा सचिव सफाई का टेंडर होने के बावजूद भी वर्क ओडर की कापी एजेंसी नहीं दे रहा है। सचिव राजनीतिक दबाव के चलते टेंडर को कैसिंल करवाने के चक्कर में है। शहर में स्ट्रीट लाइटें नहीं जल रही, कूड़ा-ककर्ट फैला पड़ा है। लेकिन सचिव को लोगों की परेशानी नजर नहीं आ रही है।

पूंडरी पालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि पवन सैनी सफाई करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

निरंतर चल रही सफाई

शहर में सफाई निरंतर चल रही है। जहां चेयरपर्सन ने दिखाया है, वहां लोग दोबारा फेंक देते है और कुछ लोगों ने कूड़ा-ककर्ट डाला गया है, जो उठाने नहीं देते है। सफाई के लिए 7.60 करोड़ रुपए के टेंडर खुल चुका है, लेकिन उसमें कई लोगों ने शिकायत की हुई है, जब तक विभागीय तौर पर उनकी जांच नहीं हो जाती, तब तक वर्क ओडर नहीं दे सकते है। उनके ऊपर किसी भी प्रकार कोई राजनीतिक दबाव नहीं है। चेयरपर्सन ने जो टेंडर लगाने को कहा था, वे लग चुके है। उनके कार्यालय से संबंधित कोई फाइल पेंडिंग नहीं है। पूरे शहर में सफाई व्यवस्था का कार्य चला हुआ है।

-नरेंद्र शर्मा सचिव नगरपालिका पूंडरी।

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है मोबाइल फोन

कवर स्टोरी / किरण भास्कर

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

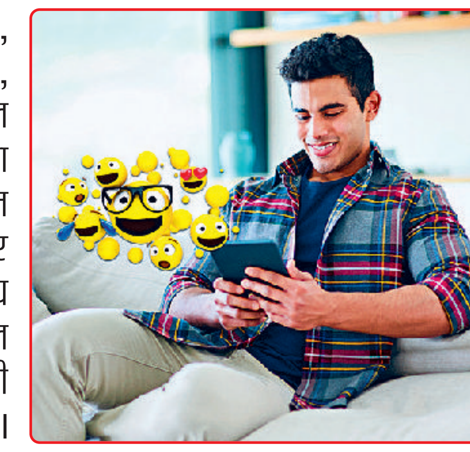

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंज वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

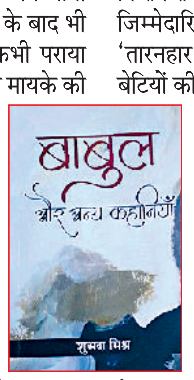

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तकः बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिकाः** शुभदा मिश्र, **मूल्यः** 200 रुपए, **प्रकाशकः** वैभव प्रकाशन, रायपुर

लघुकथाएं

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होने वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती है। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता हो। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

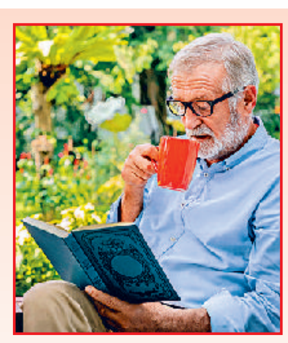

विज्ञान-तकनीक / संजय श्रीवास्तव

इस साल और बढ़ेगी भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

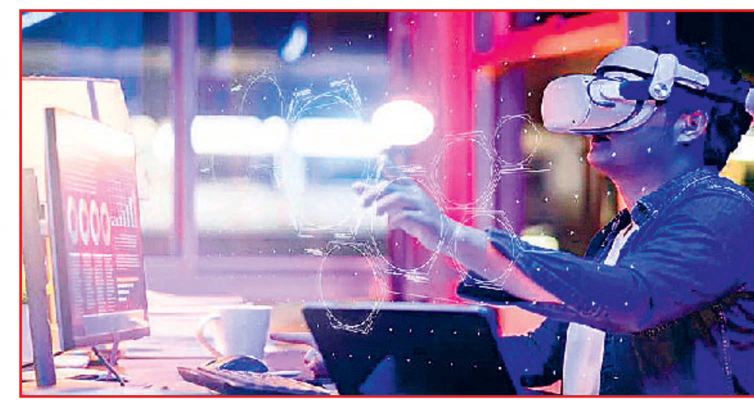

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष मास में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैंलेस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

रोचक

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पाताललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'शोले' का फेमस डायलॉग- 'कितने आदमी थे?'

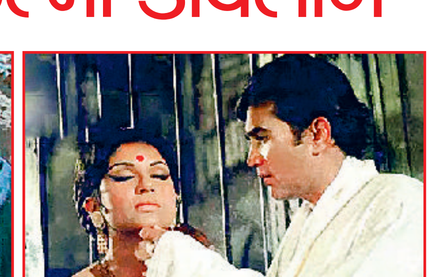

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *